

### संपादकीय

## विरासत का बंटवारा

राज के लिए राजनीतिक महाकाण्डों की बर्हिनीय पर अतिक्रमण के द्वारा चेतना की राजनीतिक विरासत को भाग्यो में बंट गई। हरिवर को हुए को सामाजिक कार्य में बंटवारे की गति को पर मोहर तय गई। एक वे जगन्नाथ का प्रवासन विरासत पर दूसरे वे विरासतों और परिस्थितियों का जगन्नाथ किया। बरकरार, इतना तय है कि इनके पदों व संकल्प पर अन्य चेतना का चरमक कमान रहेगा। अन्य चेतना को भी बरकरार करेगा। कई जगहों के पदों पर चरमक को लेकर चल रही लम्बी लम्बी लड़कियों पर अंत तो यह ही गया था कि कुछ अप्रत्याशित घटने का है। पिछले तय है कि पदों के चुनकर अन्य प्रजात चेतना विचारक भर्ती चेतना में केत की सजा कर रहे हैं। उनके सब अन्य चेतना की अहोभित्युक्त। इनके चलते बीच-बाह्य व चुनकर को कोशिश उभार कर तय नहीं हो पाई, जैसी वे बरकरार कर सकते हैं। हालांकि, उनके विचारक के जरीर अन्य चेतना के विचारक की चुनकर भी नवीनता को भी गई मगर यदि वे सामाजिक रूप से इतकी चुनकर चुनकर कर सकते हैं तो बहा दुरु और नहीं। बरकरार चेतना में विचारक को किसी इतर तक टकटाने की कोशिश भी की जाती। बरकरार, मगरभार की धरती में एक बार फिर उदयना के लिए भाग्यो में महामरत हुआ। महामरत के लिए प्रतीक व प्रसंगों की ओर प्रजात चेतना अपनी उत्तरदायी में प्रजात विचार करती है, उन्हीं को उनके बेटे हकीकत बरकरार करे जो इन बात का प्रतीक है कि समय बरकरार है। तय की राजनीतिक चेतना मोहर उभारी भी नहीं बरकरार है, जिनके बरकरार हुए चरमक परिस्थितियों में खुद को बरकरार है।

अब जय हो जय है कि पदों पर अन्य चेतना का बरकरार कर सकते हैं जो विचारक को होने वाली देवी में बंट पदों की योग्यता केवल किंचित तय रहा है। इनके इतने इतने के विचारक पर मोहर तो लज जाती है। विचारों की तयपत्ती से विचारक कोने भाग्यो में पुनः-पुनः बंट चुका तो है। यह विचारक विचारक कोने बंट है कि विचारक कोने चेतना में विचारक को बहा चुनकर तय है। अंतर्गत होने के चलते अन्य चेतना के पदों की राजनीतिक विरासत संभव रूप चुनकर व चुनकर चेतना के चुनकर विचारक चेतना को हलचलित करने का मन बरकरार होगा। प्रजात चेतना का विचारक को चरमक बहा। बरकरार, इतना तय है कि अंतर्गत विचारक व विचारक चुनकर में इनके व अन्य चेतना के पदों को बरकरार है। अंतर्गत चेतना को पदों की तयपत्ती में फर्क लम्बी है, जिनके चलते लम्बी चेतना को पदों के राजनीतिक चरम में हुआ है। इनके चरमक अन्य चुनकर को राजनीतिक वे जाने चरमक बरकरार कि चुनकर चेतना व विचारक चुनकर चुनकर चेतना में व अन्य चेतना का अंतर्गत बरकरार है। इनको तक अंतर्गत में इनका उदय करके बने इनके का विचारक विचारक रूप से हरिवर को राजनीतिक विचारक की विचारक को तय तो करेगा ही।

# जीएसटी के बाद से अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की मांग में तेजी

नयी दिल्ली (आरएनएस)। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद देश में, खासकर छोटी और मझोली इकाइयों की ओर से अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की मांग तेजी से बढ़ी है। इस उद्योग के जुड़े लोगों का कहना है कि अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की मदद से उद्यमों को जीएसटी के अनुपालन में आसानी होती है। एक सर्वे के अनुसार जीएसटी के लागू होने के बाद अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की मांग लगभग 200 प्रतिशत बढ़ी है। प्रमुख अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर कंपनियों बिजो इन्फोटेक



के संस्थापक निदेशक राजेश गुप्ता का कहना है, 'अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर कंपनियों की मदद से जीएसटी में भागीतों का वातावरण ठीक करने

में मदद मिली है और इस नयी कर प्रणाली की प्रक्रिया को आसुर्य किया जा सका है।' उन्होंने अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर उद्योग पर किए गए एक हालिया सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा, 'जीएसटी लागू होने से पहले भारत का अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर उद्योग लगभग 500 करोड़ रुपये था जो 2017 में ही जीएसटी लागू होने के बाद तेजी से आधी मांग के कारण बढ़कर 1,500 से 1,800 करोड़ रुपये हो गया।

करोड़ रुपये है।' छोटे कारोबारियों और दुकानदारों के लिए जुलाई 2017 से जीएसटी लागू किए जाने के बाद इसका रिटर्न तैयार कर उसे आनलाइन दाखिल करना खासकर छोटी/मझोली इकाइयों के लिए चुनौती रहा है। अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की सहायता से इसमें आसानी को देखते हुए इसकी मांग बढ़ी है। इस उद्योग का मानना है कि कि ई-कॉमर्स उद्योग के प्रसार, युवाओं के स्व-बनवस्थापक प्रति रक्षण आदि कारणों से निकट भविष्य में यह तेजी बनी रहेगी।

सर्वोत्तम समय में यह 1,000 से 1,200

## बकाया वेतन न मिलने पर नाराज हुए जेट एयरवेज के पायलट, फ्लाइट्स पर पड़ सकता है असर

मुंबई (आरएनएस)। जेट एयरवेज में वेतन संकट के चरिते पायलटों ने गंभीर रख अपना लिया है। सूचों की मांग तो आने वाले दिनों में एयरलाइंस के पायलट अतिरिक्त ड्यूटी नहीं करेंगे। एयरलाइंस के पायलटों ने धमकी दी है कि उनका बकाया वेतन 30 नवंबर तक नहीं दिया गया तो वे अतिरिक्त ड्यूटी नहीं देंगे। अगर इस फैसले को अमलीजामा पनाया गया तो आने वाले दिनों में जेट एयरवेज की फ्लाइट्स के परिचालन पर भी इसका असर पड़ेगा।

समय से नहीं कर रही है। इसी कारण पायलटों ने कड़ा रुख अपनाया है। अगर पायलट अड़ गए तो एक दिवसबर से वे कोई अतिरिक्त कार्य नहीं करेंगे और बस रोस्टर का ही पालन करेंगे। एयर फैसले से प्रबंधन को मौखिक रूप से अवगत करा दिया गया है। जेट एयरवेज ने इस संबंध में पूछे गए सवाल का कोई जवाब नहीं दिया।

## अब 3 लोग तय करेंगे कच्चे तेल की कीमत!

नई दिल्ली (आरएनएस)। हाल के घटनाक्रमों से यह तय हो गया है कि कच्चे तेल की कीमतें तय करने में अब तेल उत्पादक देशों के समूह (ओपेक) की भूमिका खत्म हो गई है। साल 2019 और उसके आगे तेल की कीमत तय करने में अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और सऊदी अब के क्राउन प्रिंस

बात है कि तीनों की सीमा अलग है। ओपेक का साझा भूमिका को लेकर उदयमान है, वहीं दूसरी तरफ तेल की वैश्विक आपूर्ति पर अमेरिका, रूस और सऊदी अरब का बरकरार हो गया है। तीनों मिलकर ओपेक के 15 सदस्य देशों के बराबर तेल का उत्पादन करते हैं। तीनों देश रिकॉर्ड मात्रा में तेल का उत्पादन कर रहे हैं।



मोहम्मद बिन सलमान की भूमिका सांभाल रहे हैं। हालांकि यह अलग

सूचों के मुताबिक नरेश गोपाल के नियंत्रण वाली हथ कंपनी लगातार पिछली तीन तिमाहों से घाटे में चल रही है और अपने कुछ कार्यकारियों के वेतन का भुगतान

उत्प्रेषणों है कि नकदी संकट से जुझ रही जेट एयरवेज के अधिकारियों, वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों के साथ ही करीब 1600 पायलटों को मिलकर तय करने के 50 फीसद हिस्से का ही भुगतान किया गया है। इस तिस्तंबर की आधी तनख्वाह और अन्दर की पूरी तनख्वाह मिलनी बाकी है।

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय शूटर दिना सिद्धा का कहना है कि शिक्षा हर चीज की आधारशिला होती है और इमलीए लड़कियों को शिक्षित करना बेहद जरूरी है। सिद्ध ने कहा, इस प्रक्रिया में आगे जो कड़ी महनत कर रहे हैं, उसका आनंद ले और लड़कियों को शिक्षित करें। हमारे आसपास मौजूद हर चीज की आधारशिला शिक्षा है।

## ऑटोमैटिक पार्क रेटिंग प्रणाली से उद्योग की प्रतिस्पर्धी क्षमता सुधरेगी: प्रभु

नई दिल्ली (आरएनएस)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु ने सोमवार को कहा कि औद्योगिक पार्क रेटिंग प्रणाली विकसित करने से उद्योग प्रतिस्पर्धा को स्थिति सुधरेगी।

प्रभु के मुताबिक, इससे विनिर्माण क्षेत्र को भी प्रोत्साहित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि उनका मंत्रालय कार स्तंभों के आधार पर देश में औद्योगिक पार्कों के आकलन के लिए प्रणाली बना रहा है। प्रभु के अनुसार, ये कार स्तंभ हैं- ऑटोमैटिक वाहरी ढांचा, संपर्क, पर्यावरण एवं सुरक्षा प्रबंधन और कारोबार के समर्थन वाली सेवाएं।



प्रभु के अनुसार, ये कार स्तंभ हैं- ऑटोमैटिक वाहरी ढांचा, संपर्क, पर्यावरण एवं सुरक्षा प्रबंधन और कारोबार के समर्थन वाली सेवाएं।

प्रभु के अनुसार, ये कार स्तंभ हैं- ऑटोमैटिक वाहरी ढांचा, संपर्क, पर्यावरण एवं सुरक्षा प्रबंधन और कारोबार के समर्थन वाली सेवाएं।

## भ्रष्टाचार में फसें दिग्गज कार कंपनी निसान के चेयरमैन, गिरफ्तार

टोक्यो (आरएनएस)। वित्तीय कानून के उल्लंघन के आरोप में घिरे विश्व की दिग्गज कार कंपनी निसान मोटर के चेयरमैन कार्लोस घोषन (64) को आज गिरफ्तार कर लिया गया। खुद कंपनी का कहना है कि कार्लोस ने कई सालों तक अपनी इनकम वास्तविक से कम बताते हुए कंपनी के पैसे का निजी इस्तेमाल किया।



भी बाहर किया जाएगा। कार्लोस की गिरफ्तारी को खबर आने के बाद कंपनी

के शेयरों में 6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। निसान मोटर्स के अलावा कार्लोस घोषन फ्रांसिसी अंटोमोबाइल कंपनी रनॉ के भी चेयरमैन और सीओओ हैं। कार्लोस ने वर्ष 2017 में निसान मोटर्स के सीओओ का पद छोड़ दिया था। हालांकि वे अभी भी कंपनी के चेयरमैन बने हुए हैं। दरअसल साल 1999 में रिटायर होने में निसान में कर्तव्य निरूपाहरी खरीदी थी। उसके बाद कार्लोस निसान से जुड़े और 2001 में सीओओ बन गए थे।



प्रभु के अनुसार, ये कार स्तंभ हैं- ऑटोमैटिक वाहरी ढांचा, संपर्क, पर्यावरण एवं सुरक्षा प्रबंधन और कारोबार के समर्थन वाली सेवाएं।

## मुक्तकबाज: सोनिया त्वार्टरफाइन्डल में, स्वीटी बाहर

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत की युवा प्रवेश कर लिया। सोनिया इस तरह प्रतियोगिता के क्वार्टरफाइन्डल में पहुंचने वाली चौथी भारतीय महिला चुनकर बन गयी है। इससे पहले पांच बार की चीनीय एमसीसी मीरीकॉम और मनीषा मोहन ने क्वार्टरफाइन्डल में जगह बना ली थी जबकि (81 वरस) को सीधे ही

क्वार्टरफाइन्डल में प्रवेश मिला था। हालांकि भारत को उस समय निराशा हाथ लगी जब स्वीटी बूरा को 69-75 किग्रा में फिलडेल्वे वॉ के प्री क्वार्टरफाइन्डल में पोलैंड की एल्फ़िबिता वॉजिक के हाथों 0-5 से हार का सामना करना पड़ा।

पोलैंड की मुक्केबाज ने पूरे मुक्केबाजों में अपना दबदबा बनाया जिस परिसर जेजो ने वॉजिक के पक्ष में सर्वसम्मति फैसला दिया।

## ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को लंबे कद का फायदा, पर हम भी हैं तैयार: रोहित शर्मा

ब्रिस्बेन (आरएनएस)। भारतीय उपकप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों को अपने लंबे कद का फायदा मिला, लेकिन उनकी टीम भी इस बार क्रिकेट की इस प्रतिस्पर्धा की नई परिभाषा गढ़ने को तैयार है। भारतीय टीम दौर की शुरुआत 21 नवंबर को टी20 मैच से करेगी। रोहित ने कहा कि तय पिचों पर खेलना उनका आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'भारत ने हमेशा पर्यय था ब्रिस्बेन में खेला है। इन दिनों मैदानों पर हालत चुनौतीपूर्ण रहते हैं और ऑस्ट्रेलिया के लंबे गेंदबाज हालात का पूरा फायदा उठाते हैं।

होना। भारतीय उपकप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों को अपने लंबे कद का फायदा मिला, लेकिन उनकी टीम भी इस बार क्रिकेट की इस प्रतिस्पर्धा की नई परिभाषा गढ़ने को तैयार है। भारतीय टीम दौर की शुरुआत 21 नवंबर को टी20 मैच से करेगी। रोहित ने कहा कि तय पिचों पर खेलना उनका आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'भारत ने हमेशा पर्यय था ब्रिस्बेन में खेला है। इन दिनों मैदानों पर हालत चुनौतीपूर्ण रहते हैं और ऑस्ट्रेलिया के लंबे गेंदबाज हालात का पूरा फायदा उठाते हैं।

## जानिए मालपुआ बनाने की रीसिपी

**रिश्तः**  
1- मालपुआ बनाने के लिए पहले उसके कटोरे में मसूर लें। अब इसमें मिर्च पाउडर, लूनी व सूरु लालकर गंधा धोके बरकर।

2- अब इसे 20 मिनिट के लिए ढक कर रख दें। अब एक पैर में पीली व फली डालकर 5 मिनिट तक घुंभी दें। अब पीली पूरी तरह से मिक्स हो जाए इसमें लकड़वाय पाउडर डालकर अच्छे से मिक्स व ढक कर रख दें।

3- अब एक कटोरे में ऑयल गर्म करके इसमें एक कड़ाही तैयार किया हुआ मिर्चलट डालकर फिक्क। अब इसे धीमी आँच पर 1 मिनिट तक फ्राई करें।

4- अब इसे लट्ट कर दूसरी तरह से फ्राई करें। इसी तरह उसे मालपुआ तैयार कर लें।

5- अब मालपुआ को तैयार की हुई कटोरे में डालकर 5 मिनिट तक डुबाई लीकें। अब मालपुआ बरकर तैयार है। अब इसे ड्राई फ्रिडर तक सजा कर सर्व करें।

**सामग्री**  
(मैट के लिए)  
मैदा- 1 कप, मिर्च पाउडर- 1/2 कप, सूजी- 2 टेबलस्पून, लौक- 1/2 टेबलस्पून, दूध- 1 कप  
(पीली तैयार के लिए)  
पीली- 1 कप, फली- 1/2 कप, इलपुकी पाउडर- 50 ग्राम, 5 मिनिट तक डुबाई (बाकी की तैयारी)  
तेल- तबके के लिए, ड्राई फ्रूट- मसूर के लिए

## शब्द सामर्थ्य-93

**घाघरे से घाघरे**  
1. पुष्पम निम्नतम बाला, आरु मणिकर, जो बालिन हो 3 कुलना, बरकर या ताल 19. पञ्चमना बाला, निशेधना 6. लोप, प्रभा 7. सला, जननननन 9. सुंदर, कामना करने चोप्य 10. शीखलया हुआ।

**ऊपर से नीचे**  
1. सवार, आश्रय, प्रसिद्ध, संकल्प चेंबर 4. साला होना 13. 2. परिभ्रम 4. रास, रास, निशेध 5. सवार 21. पशुओं को विचारने अभिमान, मातृदही, बर 14. पुत्र, बंध 8. सुलु, काम 9. कनक

**कामोटा परदा 11.** संदेश भेजना, कामना करना, कथकलपना 12. प्रसिद्ध नामों की शीर्षक और शीर्षक को स्मरण कर देना बाला व्यक्तिक, कामना की संज्ञा 14. देन की, गिरावट 5. कुमार्गी, दुराधारी 17. मारलक, काम, लालत 18. प्रथम, समरथ 20. सहायता, सार 21. पशुओं को विचारने वाली भी चर्चित, वृत्त, फिलक

**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 92 का हल**

ज	द	ब	व	न	स	पू	त
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	खी
न	न	ल	न	न	न	न	न
ह	स	ल	न	न	न	न	न
ल	ख	ल	द	न	स	फ	र
म	ह	क	ख	म	ख	ख	